हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

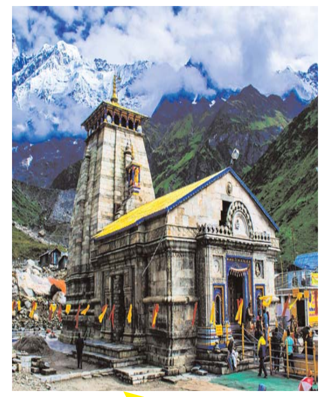

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

वर्ष:5 अंक:154 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, बुधवार, 10 जून 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 221 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

0पथ प्रवाह, देहरादून।

पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से विभिन्न विभागों में चयनित 221 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इन नियुक्तियों में शहरी विकास, कौशल विकास एवं सेवायोजन तथा पशुपालन विभाग के पद शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह क्षण युवाओं के वर्षों के परिश्रम और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में 33 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के चेहरों की मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि सरकार सही दिशा में कार्य कर रही है। युवा राज्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं और उनके लिए रोजगार

एवं स्वरोजगार के अवसर लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर युवाओं के लिए नई संभावनाएं तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नई स्टार्टअप नीति लागू की गई है, जिससे स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं युवा प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आर्थिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

उन्होंने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने नकल माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है और देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। आगे भी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि अब प्रदेश में प्रतिभाशाली युवाओं को उनकी मेहनत के आधार पर समय पर नियुक्तियां मिल रही हैं। वहीं कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि अब बिना सिफारिश के पारदर्शी तरीके से भर्तियां हो रही हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक उमेश शर्मा काऊ, विधायक सविता कपूर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

भारत के अमीर परिवार संपत्ति की वैल्यू स्थिर रखने डॉलर को दे रहे प्राथमिकता

डॉलर और यूरो के मुकाबले रुपए में भारी गिरावट, सुरक्षित निवेश में लगा रहे पूंजी

नई दिल्ली। भारतीय रुपए की लगातार गिरावट को देखते हुए, अमीर परिवार अपनी संपत्ति की वैल्यू को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिर रखने के लिए डॉलर में निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। डॉलर और यूरो के मुकाबले रुपए में भारी गिरावट आ रही है। रुपए की गिरावट के बीच डॉलर में आय वाले सुरक्षित ठिकानों की तलाश कर रहे भारतीय फैमिली ऑफिस पिछले दो सालों के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 14 फीसदी कमजोर हुआ है। पिछले 12 महीनों के दौरान यूरो के मुकाबले रुपया 7 फीसदी से ज्यादा और पिछले दो सालों में करीब 16 फीसदी लुढ़का है।

मीडिया अपनी पूंजी के सुरक्षित निवेश के लिए अब वे डॉलर से जुड़ी परिसंपत्तियों ले रहे हैं और विदेश में पूंजी लगा रहे हैं। भारत के फैमिली ऑफिस और अमीर व्यक्ति पहले अपनी पूंजी देसी शेयर बाजार, सावधि जमा और रियल एस्टेट में लगा रहे हैं। वेल्थ मैनेजरों का कहना है कि डॉलर की तरफ बढ़ते रुझान को मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम से बचने का रास्ता ही नहीं माना जा रहा है बल्कि लंबे अरसे के लिए पूंजी लगाने का नया तरीका भी माना जा रहा है।

वेल्थ मैनेजरों का कहना है कि लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) और गिफ्ट आईएफएससी के जरिए विदेश में निवेश के विकल्पों से अब रकम को सीधे विदेश में लगा दिया जा रहा है और उसके लिए वित्त वर्ष की दूसरी छमाही का इंतजार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा फैमिली ऑफिस किस तरह विदेश में फैमिली ऑफिस शुरू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी मांग रहे हैं। उनका मकसद विनियमित संस्था के जरिए विदेश में पूंजी लगाने का दीर्घकालिक रास्ता तलाशना है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर गुजरात में विशेष आयोजन

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के लगातार 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुजरात भाजपा ने राज्यभर में विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय भाजपा की कार्ययोजना के अनुरूप प्रदेश भाजपा द्वारा '12 वर्ष अविरत विश्वास, विकास और जनकल्याण' अभियान के तहत 10 जून, बुधवार को गुजरात के सभी जिलों और महानगरों में स्थित प्रमुख एवं प्राचीन मंदिरों में भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में भाजपा के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भाग लेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए विशेष प्रार्थना करेंगे।

अभियान के तहत गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 10 जून को सुबह 7 बजे गांधीनगर के अडालज स्थित प्रसिद्ध त्रिमंदिर में आयोजित महाआरती में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा शाम 7 बजे मेहसाणा जिले के ऐतिहासिक नगर वडनगर स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित महाआरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना करेंगे।

महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई और राज्यव्यापी स्वच्छता अभियान भी होगा आयोजित

इस विशेष अभियान के अंतर्गत 10 जून की सुबह राज्यभर में महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई तथा व्यापक स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियों में भाग लेकर समाज को स्वच्छता का संदेश देंगे।

पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूरे, जेपी नड्डा ने राष्ट्रव्यापी समारोह का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित राष्ट्रव्यापी समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि इस पहल ने देश में गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला को गर्भावस्था के दौरान कम से कम एक बार विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण जांच उपलब्ध

कराना है। अभियान के तहत हर महीने की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष जांच शिविर आयोजित किए जाते हैं। जेपी नड्डा ने बताया कि पिछले एक दशक में इस योजना के माध्यम से करोड़ों गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई है और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान कर उचित उपचार सुनिश्चित किया गया है। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिली है। समारोह के दौरान स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, चिकित्सकों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। केंद्र सरकार ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने तथा सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की दिशा में देश के सबसे महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक बन चुका है और आने वाले वर्षों में भी इसे और व्यापक रूप से लागू किया जाएगा।

राम मंदिर चंदा घोटाले के आरोपों की केंद्रीय जांच की मांग, भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

अयोध्या/नई दिल्ली। अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में प्राप्त दान राशि के कथित गबन के आरोपों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता डॉ. रजनीश सिंह ने इस मामले की निष्पक्ष केंद्रीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी से कराने का आग्रह किया है। डॉ. रजनीश सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास को बनाए रखने के लिए आरोपों की पारदर्शी जांच आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय या किसी अन्य सक्षम केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। रिपोर्ट के अनुसार, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर और दर्शन मार्ग पर कई दान पेटियां स्थापित कर रखी हैं, जिनमें श्रद्धालु दान राशि जमा करते हैं। इन दान पेटियों से प्राप्त नकदी का संग्रह प्रतिदिन किया जाता है। नकदी की गणना का कार्य स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को अधिकृत किया गया है, जिसने इसके लिए एक निजी एजेंसी की सेवाएं ली हैं। हालांकि अभी तक किसी जांच एजेंसी द्वारा आरोपों की पुष्टि नहीं की गई है और न ही ट्रस्ट की ओर से किसी वित्तीय अनियमितता की पुष्टि हुई है। लेकिन भाजपा नेता द्वारा केंद्रीय जांच की मांग किए जाने के बाद यह मामला राजनीतिक और धार्मिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। अब सभी की निगाहें केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियों की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में नया मोड़, भाजपा समर्थित उम्मीदवार का नामांकन फिलहाल होल्ड पर

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र को निर्वाचन अधिकारियों ने फिलहाल होल्ड पर रख दिया है। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर कुछ आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। नामांकन पत्र से जुड़े तीन बिंदुओं पर सवाल उठाए गए हैं, जिनकी जांच निर्वाचन अधिकारी कर रहे हैं। इन आपत्तियों पर अंतिम फैसला होने तक उनके नामांकन को लंबित रखा गया है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में मुकाबला पहले ही रोचक बना हुआ है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने प्रणव झा को मैदान में उतारा है। दूसरी ओर, परिमल नाथवानी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नाथवानी की उम्मीदवारी ने चुनावी गणित को और दिलचस्प बना दिया है। राज्य की दो सीटों के लिए त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई है और विभिन्न दलों के विधायकों के समर्थन को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। गौरतलब है कि झारखंड की इन दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव 18 जून को होना है।

कुंभ मेला-2027 की आपदा प्रबंधन तैयारी, सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आपदा-सहिष्णु आयोजन के लिए समन्वित रणनीति पर जोर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी कुंभ मेला-2027 के सुरक्षित एवं सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), मेला प्रशासन, उत्तराखंड पुलिस तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभावित आपदा जोखिमों, भीड़ प्रबंधन, निकासी योजना, सुरक्षा व्यवस्थाओं और विभिन्न एजेंसियों के मध्य समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मेलाधिकारी सोनिका ने कहा कि कुंभ मेला-2027 की तैयारियों में सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेला प्रशासन सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर रहा है। प्रत्येक सेक्टर में आपदा प्रबंधन संसाधनों की उपलब्धता, आपातकालीन निकासी मार्गों का विकास, संवेदनशील स्थलों की पहचान, संचार तंत्र की मजबूती तथा त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर मॉक ड्रिल एवं संयुक्त अभ्यास आयोजित कर सभी एजेंसियों की तत्परता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजनों में शामिल कुंभ मेले में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना रहती है। ऐसे में अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़, अग्निकांड, गंगा घाटों पर जल दुर्घटनाएँ, प्रतिकूल मौसम, सड़क एवं रेल यातायात पर दबाव, अस्थायी संरचनाओं की सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ तथा प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाएँ प्रमुख जोखिमों के रूप में चिन्हित की गई हैं।

एनडीएमए के सलाहकार (संचालन एवं संचार) कर्नल कीर्ति प्रताप सिंह ने कहा कि कुंभ मेला-2027 जैसे विशाल आयोजन में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए बहुस्तरीय एवं व्यापक तैयारियाँ आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि एनडीएमए द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन, जोखिम आकलन, क्षमता विकास, प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल तथा आपदा प्रबंधन योजनाओं के निर्माण में राज्य सरकार एवं मेला प्रशासन को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुंभ को सुरक्षित एवं आपदा-सहिष्णु आयोजन बनाने के लिए पूर्व अनुभवों और सर्वोत्तम व्यवस्थाओं का लाभ लिया जाएगा। कर्नल कीर्ति प्रताप सिंह ने संबंधित विभागों की संयुक्त टीम गठित कर होटलों, अस्पतालों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थलों का अग्नि सुरक्षा ऑडिट कराने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने हरिद्वार रेलवे स्टेशन की आपदा प्रतिक्रिया व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता भी बताई।

समन्वित रणनीति अपनाने पर जोर

बैठक में पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन, स्वास्थ्य एवं रेलवे सहित विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए समन्वित रणनीति अपनाने पर जोर दिया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि कुंभ मेला-2027 से पूर्व विभिन्न संभावित आपदा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। भीड़ प्रबंधन को कुंभ मेले की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी नेटवर्क, ड्रोन सर्विलांस, रियल-टाइम मॉनिटरिंग तथा अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के प्रभावी संचालन पर विशेष जोर दिया गया। प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही के लिए विस्तृत ट्रैफिक एवं पैदल यात्री प्रबंधन योजना तैयार की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संवेदनशील क्षेत्रों में जीरो जोन व्यवस्था लागू करने पर भी चर्चा हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (कुंभ मेला) आयुष अग्रवाल ने प्रस्तावित सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्रबंधन व्यवस्था का प्रस्तुतीकरण करते हुए विभिन्न संभावित आपदा परिस्थितियों से निपटने की रणनीति साझा की। उन्होंने बताया कि प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान सेक्टर आधारित प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी।

आपातकालीन निकासी मार्गों को चिन्हित करने का निर्णय

बैठक में निकासी योजना (इवैक्यूएशन प्लान) को सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आपातकालीन निकासी मार्गों को चिह्नित करने एवं उनका परीक्षण करने का निर्णय लिया गया। साथ ही कुंभ मेला-2027 के लिए पृथक इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (आईआरएस) गठित करने पर सहमति बनी, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों की भूमिकाएँ स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाएंगी तथा सेक्टर कमांडरों की नियुक्ति की जाएगी। मेला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा ने बताया कि कुंभ क्षेत्र में 71 स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से कुल 3,456 बेड उपलब्ध रहेंगे तथा 343 चिकित्साधिकारी और 481 पैरामेडिकल कर्मियों की तैनाती की जाएगी। वहीं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी श्रीमती मीरा रावत ने बताया कि जिले के 200 प्रशिक्षित आपदा मित्र मेले के दौरान सेवाएँ देंगे तथा आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त स्वयंसेवकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में नगर आयुक्त नंदन कुमार, एनडीएमए के सहायक सलाहकार (संचालन) मेजर अशोक शुक्ल, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता डी.पी. सिंह, यूपीसीएल के अधीक्षण अभियंता प्रदीप कुमार, जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता यशवीर मल्ल सहित एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन, स्वास्थ्य, उत्तर रेलवे, परिवहन, वन, सिंचाई, आपूर्ति, युवा कल्याण एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

एक नजर

सरकारी नौकरी का झांसा देकर तीन लाख रुपये की ठगी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बेटे को सरकारी नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर एक चौकीदार से तीन लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। बेटे की नौकरी लगवाने की उम्मीद में पीड़ित ने आरोपी के खाते में लाखों रुपये ट्रांसफर कर दिए, लेकिन आठ माह बीतने के बाद भी न नौकरी मिली और न ही रकम वापस लौटी। परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार टांडा भागमल स्थित श्री शिव स्टोन क्रशर में चौकीदार के रूप में कार्यरत नरेंद्र कुमार ने भिक्कमपुर पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने बताया कि मंगलौर क्षेत्र के ठसका गांव निवासी अश्वनी ने उनके बेटे की सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया था। आरोपी ने खुद को प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उसका एक भाई सचिवालय और दूसरा लोक निर्माण विभाग में कार्यरत है, जिसके कारण नौकरी लगवाना उसके लिए आसान है। नरेंद्र कुमार का आरोप है कि आरोपी की बातों पर विश्वास कर उन्होंने अलग-अलग समय पर ऑनलाइन माध्यम से करीब तीन लाख रुपये उसके बैंक खाते में भेज दिए। उन्होंने बताया कि सभी लेनदेन के बैंक रिकॉर्ड और अन्य प्रमाण उनके पास सुरक्षित हैं। पीड़ित के अनुसार रुपये देने के बाद लगातार आठ माह तक वह बेटे की नौकरी लगने का इंतजार करता रहा, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। जब उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी बहाने बनाकर टालता रहा। बाद में आरोपी के परिजनों से भी संपर्क किया गया, लेकिन वहां से भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। ठगी का एहसास होने पर नरेंद्र कुमार ने भिक्कमपुर पुलिस चौकी पहुंचकर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने तथा हड़पी गई रकम वापस दिलाने की मांग की है। भिक्कमपुर चौकी प्रभारी यशवीर सिंह नेगी ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो चुकी है। मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम खाला टीहरा को मिली बड़ी सौगात, 78 लाख की पेयजल नलकूप योजना को वित्तीय स्वीकृति

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रानीपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खाला टीहरा में लंबे समय से चली आ रही पेयजल किल्लत अब जल्द ही दूर होने वाली है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान के सतत प्रयासों और प्रस्ताव पर प्रदेश सरकार ने ग्राम खाला टीहरा में नए पेयजल नलकूप (ट्यूबवेल) के निर्माण के लिए 78 लाख रुपए की लागत पेयजल योजना की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए शासनादेश जारी कर दिया है। इस बड़ी उपलब्धि पर क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया है। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से जनहित के कार्यों को समर्पित है। 'हर घर नल से जल' के संकल्प को पूरा करने की दिशा में यह एक और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस नए नलकूप के निर्माण से ग्राम खाला टीहरा के सभी ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। विधायक चौहान ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा शासनादेश जारी होने के बाद अब टेंडर की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही धरातल पर नलकूप निर्माण का कार्य बेहद शीघ्रता से शुरू कर दिया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके। उन्होंने दोहराया कि भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के हर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास कर रही है और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विधायक आदेश चौहान ने किया सीतापुर गणेश विहार और रावली महदूद में सड़क पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रानीपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए क्षेत्रीय विधायक आदेश चौहान ने सोमवार को दो महत्वपूर्ण सड़कों के पुनर्निर्माण कार्य का पूजन के साथ शुभारंभ कराया। रानीपुर विधायक ने हरिद्वार नगर निगम के वार्ड संख्या 59 स्थित सीतापुर गणेश विहार में लाकिंगटाइल्स द्वारा सड़क निर्माण तथा ग्राम रावली महदूद में पीपलेश्वर मंदिर वाली सड़क का नाली सहित निर्माण कार्य की शुरुआत कराई।

इस अवसर पर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि रानीपुर विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्य पूरी तरह गुणवत्ता के साथ समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए ग्राम प्रधान प्रमोद पाल और नगर निगम पार्षद विनीत चौहान सहित स्थानीय नागरिकों ने रानीपुर विधायक आदेश चौहान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के बनने से स्थानीय निवासियों और पीपलेश्वर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को जलभराव और जर्जर रास्ते की समस्या से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास कार्यों के लिए उन्होंने विधायक आदेश चौहान के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सुखबीर चौहान, बृजेश धीमान, विनीत चौहान, विपिन चौहान ,अंजू सैनी, अशोक पंडित जी, नाथीराम सैनी, संदीप सैनी, वीरेंद्र चौहान, कपिल त्यागी, लोकेश सैनी, मनोज पाल, अनुज पाल, शिवचरण पाल, कृष्ण पाल, बालेश सैनी, विशेष चौहान, अरविंद, मनीष चौहान, ताहिर हसन, विनोद शर्मा, आरके पासवान, महेंद्र सिंह, मोहन बिष्ट, वीरेंद्र पाल, अशोक कुमार,सुनील कुमार,रतीभान सिंह वरिष्ठ कार्यकर्ता सहित भारी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

सीवरेज के लिए खोदी गई सड़कों के निर्माण में दिख रही तेजी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार शहर के अंतर्गत सीवरेज कार्य हेतु खोदी गई सड़कों से क्षेत्रीय जनता, व्यापारियों को हो रही परेशानी को देखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने चल रहे निर्माण कार्यों को त्वरित गति से दिन रात कार्य करते हुए पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कांट्रेक्टर को दिए हैं। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए है की चारधाम यात्रा के दृष्टिगत सीवरेज कार्य हेतु जो भी सड़के खोदी गयी है उन सड़कों का हर हाल में मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिया जाए,जिसके अनुपालन में कार्य तीव्र गति से किए जा रहे है। परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम मिनाक्षी मित्तल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में केएफडब्लयू वित्त पोषित हरिद्वार जलोत्सारण योजना पैकेज 01 एवं पैकेज 02 के अंतर्गत कराए जा रहे सड़क पुनर्निर्माण संबंधी कार्य जिसके तहत 08 जून को किए गए निर्माण कार्यों का विवरण निम्नवत है जिसमें- पैकेज 01 के अंतर्गत एनएचएआई नियर जैन मंदिर बी टी रोड 75 मीटर,मुखिया गली सीसी रोड 13.4 मीटर कार्य पूर्ण हो चुका है,कुल 88.4 कार्य हो चुका है तथा पैकेज 02 के अंतर्गत राजविहार फेस 1 पावर ब्लॉक 134 मीटर, गणपतिधाम फेस 2 सीसी रोड 53 मीटर, शिवपुरी कॉलोनी सीसी रोड 70 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा कुल 257 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सड़कों का कार्य दिन-रात त्वरित गति से किए जा रहे है।

एक नजर

हरिद्वार ग्रामीण रानी माजरा में शिव चौहान के समर्थकों ने शीर्ष नेतृत्व से मांगा टिकट

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे भाजपा नेता शिव चौहान के समर्थन में ग्राम रानी माजरा पंचायत घर में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बड़ी बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौजूद लोगों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से शिव चौहान को टिकट देने की मांग की। कई वर्षों से शिव चौहान पार्टी में सक्रिय रूप से काम कर रहे है। शिव चौहान भाजपा में आईटी सेल संयोजक, मंडल महामंत्री, जिला मंत्री किसान मोर्चा और केशव मंडल प्रभारी जैसे अनेक पदों पर रहकर पार्टी की लगातार सेवा कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में शिव चौहान का बड़ा योगदान रहा है।

बैठक में शिव चौहान ने कहा कि पार्टी अगर मुझे आगामी विधानसभा 2027 के चुनाव में हरिद्वार ग्रामीण सीट से चुनाव लड़ने का मौका देती है तो हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र का समग्र विकास करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि राजनीति को वे सेवा का माध्यम मानते हैं और पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। शिव चौहान ने विधानसभा क्षेत्र के लोगों से वादा किया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आर्थिक मदद, मेडिकल क्लीयरेंस दिलाने में सहायता, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड और ग्रामीण बच्चों की शिक्षा के लिए समुचित व्यवस्था कराने की प्राथमिकता रहेगी। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने में हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व से अपील करते हुए कहा कि अगर मुझे मौका दिया गया तो मैं निश्चित रूप से भाजपा की झोली में जीत दर्ज कराऊंगा। समर्थकों में जगपाल सिहं चौहान, दीपक चौहान, शेखर सैनी, मलक सैनी, कुनाल चौहान, नितीन कयश्प, सुमित चौहान, रणवीर शमा, कपिल सैनी आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार ग्रामीण रानी माजरा में शिव चौहान के समर्थकों ने शीर्ष नेतृत्व से मांगा टिकट

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे भाजपा नेता शिव चौहान के समर्थन में ग्राम रानी माजरा पंचायत घर में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बड़ी बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौजूद लोगों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से शिव चौहान को टिकट देने की मांग की। कई वर्षों से शिव चौहान पार्टी में सक्रिय रूप से काम कर रहे है। शिव चौहान भाजपा में आईटी सेल संयोजक, मंडल महामंत्री, जिला मंत्री किसान मोर्चा और केशव मंडल प्रभारी जैसे अनेक पदों पर रहकर पार्टी की लगातार सेवा कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में शिव चौहान का बड़ा योगदान रहा है। बैठक में शिव चौहान ने कहा कि पार्टी अगर मुझे आगामी विधानसभा 2027 के चुनाव में हरिद्वार ग्रामीण सीट से चुनाव लड़ने का मौका देती है तो हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र का समग्र विकास करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि राजनीति को वे सेवा का माध्यम मानते हैं और पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। शिव चौहान ने विधानसभा क्षेत्र के लोगों से वादा किया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आर्थिक मदद, मेडिकल क्लीयरेंस दिलाने में सहायता, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड और ग्रामीण बच्चों की शिक्षा के लिए समुचित व्यवस्था कराने की प्राथमिकता रहेगी। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने में हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व से अपील करते हुए कहा कि अगर मुझे मौका दिया गया तो मैं निश्चित रूप से भाजपा की झोली में जीत दर्ज कराऊंगा। समर्थकों में जगपाल सिहं चौहान, दीपक चौहान, शेखर सैनी, मलक सैनी, कुनाल चौहान, नितीन कयश्प, सुमित चौहान, रणवीर शमा, कपिल सैनी आदि मौजूद रहे।

एसएसपी के निर्देश पर होटल-रेस्टोरेंट की अग्नि सुरक्षा जांची

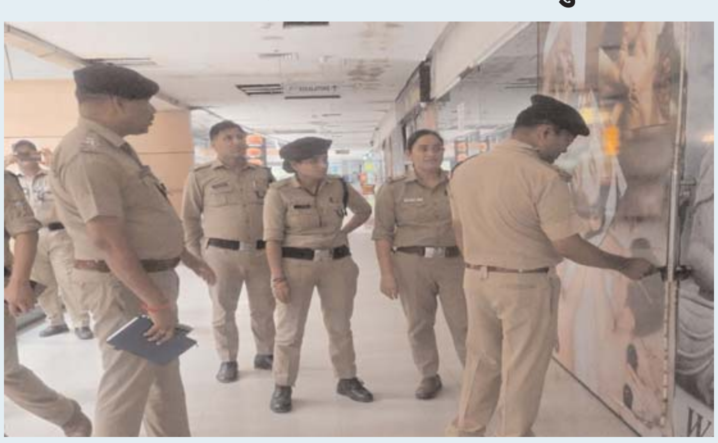

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर फायर स्टेशन मायापुर की टीम ने शहर के होटल, रेस्टोरेंट, होमस्टे और अन्य भीड़-भाड़ वाले संस्थानों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। अग्निशमन अधिकारी बीरबल सिंह के नेतृत्व में टीम ने निरीक्षण के दौरान सभी जगहों पर अग्नि सुरक्षा मानकों को परखा। इसमें आपातकालीन निकास मार्ग यानी इमरजेंसी यूनिट की व्यवस्था, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, उनकी कार्यक्षमता और वैधता, साथ ही अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र फायर एनओसी की स्थिति की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान सभी संस्थानों के प्रबंधकों को हिदायत दी गई कि अग्निशमन उपकरणों को हमेशा कार्यशील अवस्था में रखें और अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करें। किसी भी लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। इस दौरान अग्निशमन अधिकारी बीरबल सिंह ने कहा कि फायर स्टेशन मायापुर की टीम अग्नि सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए लगातार सक्रिय है। उन्होंने कहा कि आग लगने पर हड़बड़ाहट से बचने के लिए पहले से तैयारी जरूरी है और अग्नि सुरक्षा में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। फायर विभाग ने आम जनता से भी अपील की है कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी उपकरण जरूर रखें और उनका नियमित रखरखाव कराएं।

मूर्ति स्थापना के 4 वर्ष पूर्ण होने पर श्री बालाजी मंदिर में अखंड पाठ का आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शिव विहार आर्य नगर ज्वालापुर स्थित श्री बालाजी मंदिर में मूर्ति स्थापना के चार वर्ष पूर्ण होने पर जन कल्याण के लिए अखंड रामायण पाठ एवं हवन का आयोजन किया गया। श्री राम भक्त बालाजी प्रार्थना धाम ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि श्री बालाजी महाराज सभी का कष्ट हरने वाले हैं। पंचपुरी में स्थापित इस मंदिर में भक्तों को मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं और इससे सनातन धर्म की मेहता निरंतर बढ़ रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम के महंत प्रबंधक महामंडलेश्वर रूपेंद्र प्रकाश ने कहा कि इस श्री बालाजी मंदिर में मेहंदीपुर बालाजी की तरह भक्तों के संकटों का निवारण हो रहा है उन्होंने कहा कि श्री बालाजी मंदिर की स्थापना के लिए ट्रस्ट के संस्थापक एवं सदस्यों को अनेकों शताब्दी तक याद किया जाएगा। ट्रस्ट संस्थापक आर एस विश्वकर्मा (गुरुजी) ने कहा कि कलयुग में जागृत देवता श्री बालाजी के दर्शन मात्र से ही भक्तों के सब कष्ट एवं रोग दूर होते हैं तथा मनोरथ कार्य सफल होते हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष कुशल पाल सिंह चौहान ने कहा कि यह श्री बालाजी मंदिर भक्तों के कष्ट निवारण करने वाला नगर का एकमात्र मंदिर है। ट्रस्ट के सचिव अविनेश कौशिक ने कहा कि आज मूर्ति स्थापना के चार वर्ष पूर्ण होने पर भव्य कार्यक्रम भक्तों के संकट निवारण के लिए आयोजित किया गया है। इस अवसर पर पार्षद पिंकी चौधरी, ट्रस्ट कोषाध्यक्ष आशीष ढल्ला, डॉक्टर केपीएस चौहान, प्रवीण कुमार चौहान, नरेंद्र कुमार ढल्ला, गोपाल सिंह, हरीश कुमार बाली, विनीत सैनी, मुकेश जैन, मोतीलाल, राजेंद्र सिंह, योगेश चौहान, अरुण चुघ, विनीत चौहान, रामविलास कुशवाहा, अतुल चौहान, सीमा चौहान, सुषमा चौहान एवं वैभव दत्त आदि उपस्थित रहे।

अटल वाटिका ज्वालापुर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने किया शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगर पालिका शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने अटल वाटिका से ज्वालापुर कोतवाली को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग के पुनर्निर्माण एवं इंटरलॉकिंग टाइल द्वारा चौड़ीकरण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। नगर पालिका क्षेत्र में भी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटल वाटिका से ज्वालापुर कोतवाली तक का यह मार्ग क्षेत्र के हजारों लोगों की दैनिक आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। सड़क के पुनर्निर्माण और चौड़ीकरण से यातायात सुगम होगा तथा आमजन को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। राजीव शर्मा ने कहा कि रपटे पर बन रहे नए पुल के निर्माण कार्य के साथ इस सड़क का चौड़ीकरण क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इससे यातायात का दबाव कम होगा, जाम की समस्या में राहत मिलेगी तथा आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि नगर पालिका जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर सभासद वीरेंद्र अवस्थी, हरिओम चौहान, डॉ राजकुमार यादव, रमेश पाठक, दीपक नौटियाल,गौरव पुंडीर, दिनेश वर्मा, चंद्रभान सिंह, हरेंद्र कुमार, मंडल महामंत्री पंकज चौहान, अजय मलिक, अशोक उपाध्याय, रवि वर्मा, अंशुल शर्मा, देव विख्यात भाटी,आदित्य मलिक, महेंद्र शर्मा, राजेश बालियान, सुधांशु राय, विजय चौधरी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष का आभार जताया।

कनखल में वेज बिरयानी के स्थान पर लगाए वेज पुलाव के पोस्टर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार में 'वेज बिरयानी' और 'वेज पुलाव' को लेकर चल रहा विवाद अब सामाजिक अभियान का रूप लेता दिखाई दे रहा है। अखंड परशुराम अखाड़े की पहल पर संत समाज, ब्राह्मण समाज और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से हरिद्वार और कनखल क्षेत्र में दुकानों, ठेलियों तथा रेहड़ी-पटरियों पर लगे 'वेज बिरयानी' के पोस्टरों को हटाकर उनकी जगह 'वेज पुलाव' के पोस्टर और स्टिकर लगाए।

अभियान का नेतृत्व श्री हिंदू तख्त के प्रदेश अध्यक्ष यश देव कौशिक ने किया। इस दौरान जूना अखाड़े के साधु-संतों, ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि इसका उद्देश्य हरिद्वार की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना है। यश देव कौशिक ने कहा कि धर्मनगरी के मंदिरों और धार्मिक स्थलों के आसपास बड़ी संख्या में 'वेज बिरयानी' नाम से खाद्य सामग्री बेची जा रही थी, जिस पर समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा आपत्ति जताई जा रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी व्यापारी के व्यवसाय के खिलाफ नहीं, बल्कि स्थानीय सांस्कृतिक भावनाओं और परंपराओं के सम्मान के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और यहां की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान जूना अखाड़े के संत एवं माया देवी मंदिर के पुजारी भास्करपुरी महाराज ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जहां भी 'वेज बिरयानी' शब्द का प्रयोग किया जा रहा है, वहां इसे 'वेज पुलाव' से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि हरिद्वार के साथ-साथ ऋषिकेश क्षेत्र में भी इसी प्रकार का अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले समय में इसे और व्यापक बनाया जाएगा। अभियान का प्रमुख आकर्षण मुस्लिम समुदाय का समर्थन रहा। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधि नौशाद अली ने संतों और ब्राह्मण समाज के साथ अभियान में भाग लेते हुए कहा कि सामाजिक सौहार्द और आपसी सम्मान किसी भी नाम या शब्द से अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी समुदाय की भावनाएं किसी शब्द से आहत होती हैं तो संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान निकालना बेहतर विकल्प है। नौशाद अली ने कहा कि देश की गंगा-जमुनी संस्कृति और भाईचारे को मजबूत बनाए रखना सभी समुदायों की जिम्मेदारी है तथा मुस्लिम समाज हमेशा सामाजिक सद्भाव और पारस्परिक सम्मान के पक्ष में खड़ा रहा है।

अभियान में कुलदीप कृष्ण चौहान, संजय कृष्ण शास्त्री, चंद्र सागर भागवत आचार्य, राहुल पैनुली, कार्तिक भट्ट, सूरज शर्मा, देवेंद्र बिष्ट, हर्ष शर्मा, विक्की शर्मा और बिट्टू चौहान सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

1948 के राजनीति की झलक 2026 में

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जो अभिनेता से नेता बने थलापति विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में नई शुरुआत की है। 1948 से 1952 में जिस तरह की राजनीति देश में हो रही थी, उसकी यादों को ताजा कर रही है। तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। तमिलनाडु सरकार में कांग्रेस पार्टी का एक मंत्री भी है। तमिलनाडु में कांग्रेस का कोई विशेष वर्चस्व नहीं है। केंद्रीय राजनीति में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण भूमिका में है। आज भी कांग्रेस पार्टी का सीधा मुकाबला 300 लोकसभा सीटों पर भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के साथ होता है। वर्तमान की राजनीति में जिस तरह से राजनीतिक दलों के बीच में वैमनष्य देखने को मिलता है, जिस तरह की असुरक्षा की भावना देखने को मिलती है। सत्ता में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता मिले इसके लिए राजनीतिक दल हर संभव प्रयास करते हैं इसके विपरीत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राज्यसभा की दो सीटें सहयोगी दल कांग्रेस को देने का फैसला किया है। उनका मानना है, उनकी पार्टी केंद्र की राजनीति में कांग्रेस के साथ सहयोग करके तमिलनाडु के हितों का संरक्षण ज्यादा अच्छे तरीके से कर सकती है। दो सांसद उनकी पार्टी के राज्यसभा में चले भी गए, तो वह तमिलनाडु का पक्ष सशक्त तरीके से नहीं रख सकते हैं जितने सशक्त तरीके से कांग्रेस उनकी लड़ाई केंद्र में लोकसभा और राज्यसभा में लड़ सकती है। गठबंधन की राजनीति में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यह निर्णय, स्वतंत्रता के पश्चात अनूठा है। जब संविधान सभा और केंद्रीय मंत्रिमंडल का निर्माण हो रहा था, उस समय कांग्रेस पार्टी ने सभी समुदाय और सभी राजनीतिक दलों के लोगों को संविधान सभा और मंत्रिमंडल में स्थान देकर मजबूत संविधान और मजबूत सरकार बनाने का काम किया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल में अपने विरोधी और अन्य विचारधारा के लोगों को भी शामिल करके स्वतंत्रता के पश्चात समन्वय की राजनीति का मार्ग अपनाया था। वही मार्ग 2026 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा अपनाया गया है। वर्तमान में एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन के रूप में देश के अधिकांश राजनीतिक दल गठबंधन की राजनीति में शामिल हैं। क्षेत्रीय दल एक-एक सीट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी रखते हैं। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री थलापति विजय ने कांग्रेस को राज्यसभा की रिक्त दो सीटें देकर गठबंधन की राजनीति को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। राज्य की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बहुत बड़ा योगदान होता है। क्षेत्रीय राजनीति में भाषा संस्कृति तथा आम जनता के साथ उनका जुड़ाव गहरा होता है। लेकिन केंद्रीय राजनीति में राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को निर्णय करने पड़ते हैं। संघीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्यों के बीच संबंध बेहतर हों। पिछले एक दशक में इस स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। मोदी सरकार के अस्तित्व में आते ही योजना मंडल को भंग कर दिया गया था। उसके स्थान पर नीति आयोग बनाया गया, नीति आयोग जिस तरीके से काम कर रहा है। उसके बाद से राज्य सरकारें आरोप लगाती रही हैं, केंद्र सरकार उनके साथ न्याय नहीं कर रही है। मनमाने तरीके से संसाधन और धन का बंटवारा किया जा रहा है। जिन राज्यों में गैर भाजपा की सरकारें हैं उनके साथ भेदभाव की शिकायत बढ़ती चली जा रही है। जिस तरह से जाति और धर्म के आधार पर राजनीति हो रही है, उसमें राज्यों के साथ केंद्र सरकार की दूरियां बढ़ रही है।

कब होगा राहुल गांधी का निष्पक्ष राजनीतिक मूल्यांकन?

दिलीप कुमार पाठक

राजनीति में किसी नेता की छवि को बनाने और बिगाड़ने का खेल नया नहीं है। लेकिन जो खेल राहुल गांधी के साथ खेला गया, उसकी मिसाल पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास में नहीं मिलती। एक पूरे तंत्र ने, असीमित पैसे और सोशल मीडिया की ताकत के दम पर, बरसों तक उनकी एक खास तरह की छवि गढ़ने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। सुबह से शाम तक मुख्यधारा के मीडिया और ट्रोल सेना का बस एक ही काम था—राहुल गांधी को खारिज करना। लेकिन वक्त की सबसे अच्छी बात यह है कि वह हमेशा एक जैसा नहीं रहता। आज जब हम भारतीय राजनीति के बदलते समीकरणों को देखते हैं, तो हवा का रुख बदला हुआ साफ महसूस होता है।एक निष्पक्ष नजरिए से देखें तो यह बात हैरान करती है कि पिछले एक दशक से अधिक समय से जो पार्टी सत्ता में बैठी है, उसके निशाने पर आज भी विपक्ष का एक नेता ही क्यों सबसे ऊपर रहता है?

देश में कोई भी मुद्दा हो, बेरोजगारी की बात हो या महंगाई की, जवाब सत्ता से मांगा जाना चाहिए, लेकिन यहाँ हर सवाल का रुख मुड़कर राहुल गांधी की तरफ कर दिया जाता है। यह राजनीतिक क्रूरता नहीं तो और क्या है कि एक इंसान को कदम-कदम पर खुद को साबित करने के लिए मजबूर किया जाता है? यहाँ तक कि उनके परिवार के शहीदों तक पर उंगलियां उठाई गईं, लेकिन उस इंसान ने कभी अपनी शालीनता और मर्यादा का दामन नहीं छोड़ा। राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी खूबी उनकी दूरदर्शिता रही है। अतीत में उन्होंने देश की आर्थिक नीतियों, महामारी के खतरों या सीमाओं की सुरक्षा को लेकर जो भी बातें कहीं, शुरुआत में भले ही सत्ता पक्ष ने उनका मज़ाक उड़ाया हो, लेकिन वक्त ने साबित किया कि उनकी एक-एक बात सच थी। राजनीति में अपनी बात का सही साबित होना ही किसी नेता की सबसे बड़ी परिपक्वता होती है। आज यही वजह है कि जनता उन्हें बेहद संजीदगी से सुनने लगी है। इस देश के युवा और किसान आज जिस गहरे संकट से गुजर रहे हैं, उनकी पीड़ा को राहुल गांधी ने बेहद करीब से महसूस किया है। परीक्षाओं के पेपर लीक होने से बर्बाद होते युवाओं के भविष्य की बात हो या रोजगार की तलाश में भटकते डिग्रीधारियों का दर्द, राहुल ने सड़क से लेकर संसद तक हर जगह युवाओं की बेबाक आवाज बनकर सरकार को घेरा है। ठीक इसी तरह, जब कड़कड़ाती ठंड और चिलचिलाती धूप में देश का अन्नदाता दिल्ली की सीमाओं पर अपने हक की लड़ाई लड़ रहा था, तब राहुल गांधी उनके बीच जाकर खड़े हुए। उन्होंने किसानों के दर्द को सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं बनाया, बल्कि उनकी कानूनी गारंटी और एमएसपी की मांग को अपनी राजनीति का मुख्य एजेंडा बनाया। खेतों की पगडंडियों पर किसानों के साथ ट्रैक्टर चलाना हो या कुलियों और मैकेनिकों के साथ बैठकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को समझना, राहुल ने यह साबित किया कि वे ड्राइंग रूम की राजनीति नहीं, बल्कि पसीने और संघर्ष की सियासत करते हैं।

भारतीय राजनीति का एक और कड़वा सच अवसरवाद है, जहाँ नेता अपनी सहूलियत के हिसाब से रिश्ते बदलते हैं। चाहे वह आम आदमी पार्टी हो, तृणमूल कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी—इन सबने कभी न कभी कांग्रेस की जड़ें खोदने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिल्ली में राहुल गांधी के खिलाफ पोस्टर लगाए गए, बंगाल और उत्तर प्रदेश में कड़वाहट घोली गई। लेकिन राहुल गांधी का बड़प्पन देखिए कि जब भी इन क्षेत्रीय क्षत्रपों पर मुसीबत आई, वे सब कुछ भूलकर मदद के लिए आगे आए। अरविंद केजरीवाल के संकट के समय पैरवी के लिए वरिष्ठ वकीलों को खड़ा करना हो या विपक्षी एकजुटता के लिए हर कड़वाहट को पीना हो, राहुल ने हमेशा बड़े दिल का परिचय दिया। यह राजनीति की वह विडंबना है जहाँ मदद पाने वाले ही पीठ पीछे वार करने से नहीं चूकते, फिर भी राहुल अपनी धुन में आगे बढ़ते रहते हैं। उनकी इस सियासी यात्रा का सबसे खूबसूरत मोड़ था भारत जोड़ो यात्रा।

भतीजे अभिषेक के मोह में ममता दीदी की पार्टी बिखर गयी!

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि अति सर्वत्र वर्जिते यानि इंसान का अपने ज्ञान और ताकत पर अधिक घमंड पतन का कारण बन जाता है ममता बनर्जी के साथ भी यही हुआ है दीदी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को वनमैन शो बतौर माना और अपने साथियों को फोलौवर समझा यही उनके खिलाफ असंतोष का कारण बन गया दीदी अपने पार्टी के कुनवे को ही संभाल कर नही रख सकी सत्ता से बाहर होते ही उनके खास सिपहसलार ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं दरअसल भतीजे अभिषेक बनर्जी का मोह और अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने की चाहत इस असंतोष के पीछे की खास वजह बन गई।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।ताज़ा घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस में एक बड़ा राजनीतिक संकट सामने आया है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर दी है और एनडीए के साथ गठबंधन करने की इच्छा व्यक्त की है।इस विभाजन और दलबदल से जुड़ी जानकारी के अनुसार बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र भेजकर संसद में अलग बैठने और मान्यता देने की मांग की है। इस पूरे घटनाक्रम में टीएमसी सांसद काकुली घोष, सुवेंदु अधिकारी और अन्य नेताओं का नाम सामने आ रहा है। आपको पता रहे कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

आपको बता दें सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है। ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बग़ावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया।

नेत्रदान: अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

(लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

(विश्व नेत्रदान दिवस (10 जून, 2026) पर विशेष)

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है। भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती। नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है।

सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

मानसून से पहले सभी तैयारियां पूरी करें अधिकारी, 15 नवंबर तक हो सभी सड़कें गड्ढा मुक्त- मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में मानसून सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून प्रारम्भ होने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन, जनसुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण तैयारी रखें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मानसून के बाद 15 नवम्बर, 2026 तक प्रदेश की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष आपदा प्रभावित क्षेत्रों में शेष कार्यों को मानसून शुरू होने से पहले पूरा किया जाए। पुलों, कल्वर्टों एवं ड्रेनेज सिस्टम की जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं तथा सभी नालों एवं जल निकासी मार्गों की सफाई मानसून से पूर्व सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने डेंगू, मलेरिया एवं अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जीवनरक्षक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करे। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनपदों में गर्भवती महिलाओं की अद्यतन सूची मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से प्राप्त कर नियमित रूप से अपडेट रखें। संवेदनशील एवं दुर्गम क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं के लिए निकटवर्ती अस्पतालों के आसपास ठहरने की व्यवस्था की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर हेली एम्बुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में भूस्खलन संभावित स्थलों, बाढ़ संभावित क्षेत्रों, नदी तटों एवं भू-कटाव वाले क्षेत्रों का अद्यतन मानचित्र तैयार किया जाए। साथ ही ऐसे गांवों, स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सूची भी तैयार की जाए जो आपदा की दृष्टि से संवेदनशील हैं। चारधाम यात्रा मार्ग सहित राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर संवेदनशील स्थलों का विशेष निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों का भौतिक निरीक्षण किया जाए। जेसीबी, पोकलैंड, डंपर, क्रेन एवं अन्य आवश्यक मशीनरी को पहले से ही संवेदनशील स्थानों पर तैनात रखा जाए। जहां मानसून के दौरान सड़कें बार-बार बाधित होती हैं, वहां वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। सभी प्रभावी सचिव अपने-अपने जनपदों का भ्रमण कर मानसून के दृष्टिगत जनपदों में की गई तैयारियों का निरीक्षण करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में चेतावनी संकेतक एवं सूचना बोर्ड लगाए जाएं तथा प्रत्येक तहसील में राहत एवं बचाव सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र एवं जिला नियंत्रण कक्षों के बीच 24म7 समन्वय स्थापित किया जाए। मौसम संबंधी अलर्ट ग्राम स्तर तक त्वरित रूप से पहुंचाने की प्रभावी व्यवस्था की जाए तथा पर्यटकों एवं यात्रियों को समय पर मौसम संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने मानसून से पूर्व अतिक्रमण हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि जल निकासी एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के दौरान विद्युत, पेयजल, सड़क, दूरसंचार एवं अन्य मूलभूत सेवाएं लंबे समय तक प्रभावित न हों। इसके लिए सभी संबंधित विभाग विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। एसटीपी एवं पुलों के आसपास की विद्युत लाइनों का सुरक्षा ऑडिट भी कराया जाए।

कैंचीधाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण उत्पन्न होने वाली जाम की समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में कैंचीधाम बाईपास कल से आवागमन के लिए प्रारम्भ किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को यातायात में बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून अवधि के दौरान सतर्कता, त्वरित कार्रवाई एवं प्रभावी समन्वय के माध्यम से जनहानि एवं संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ब्रिक्स डिजास्टर रिस्क रिडक्शन वर्किंग ग्रुप की बैठक में उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन मॉडल को मिली अंतरराष्ट्रीय सराहना पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एसडीआरएफ, यूएलएमएमसी तथा आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी एजेंसियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि राज्य के समन्वित प्रयासों, तकनीक आधारित कार्यप्रणाली और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे सतत नवाचारों का परिणाम है।

इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने मानसून सीजन के दृष्टिगत की गई सभी तैयारियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में कैबिनेट मंत्री आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक , उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन विनय कुमार रोहिला, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, प्रमुख सचिव एल. फैनई, डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव नितेश कुमार झा, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, रविनाथ रमन, धीराज गर्ब्याल, रणवीर सिंह चौहान, सी. रविशंकर, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वर्चुअल माध्यम से कुमांऊ कमिश्नर दीपक रावत, गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप एवं सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

दिव्यांग महिला के पुनर्वास के लिए आगे आई पुलिस और प्रशासन

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। सोमेश्वर क्षेत्र की 100 प्रतिशत दिव्यांग महिला पूजा भंडारी के पुनर्वास और बेहतर देखभाल के लिए जिला प्रशासन और अल्मोड़ा पुलिस ने संयुक्त पहल करते हुए उन्हें वन स्टॉप सेंटर में दाखिल कराया है। इस प्रयास में स्थानीय ग्रामीणों, समाजसेवियों और स्वास्थ्य विभाग का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। जानकारी के अनुसार ग्राम ककराड़, पोस्ट मनान निवासी पूजा भंडारी अपने माता-पिता और भाई-बहनों के अभाव में अकेले जीवन यापन कर रही थीं। विशेष परिस्थितियों में रह रही पूजा को स्थानीय ग्रामीणों, समाजसेवी महिला-पुरुषों तथा स्वास्थ्य विभाग की एएनएम कर्मियों द्वारा लगातार सहयोग और देखभाल प्रदान की जा रही थी। उन्हें संगीत से विशेष लगाव है और वह मधुर स्वर में गीत भी गाती हैं। ग्रामीणों ने पूजा भंडारी के बेहतर भविष्य और समुचित देखभाल की आवश्यकता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस से सहायता की मांग की थी। इसके बाद संबंधित विभागों के समन्वय से उन्हें वन स्टॉप सेंटर, अल्मोड़ा में दाखिल कराया गया, जहां उनकी देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। आगामी प्रक्रिया के तहत उन्हें महिला कल्याण एवं पुनर्वास केंद्र, देहरादून भेजा जाएगा, ताकि उन्हें बेहतर संरक्षण, उपचार और पुनर्वास की सुविधाएं मिल सकें। इस पहल में समाजसेवी धीरज पांडे निवासी रनमन, सोमेश्वर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर पूजा भंडारी के पुनर्वास के लिए लगातार प्रयास किए। स्थानीय समाजसेवियों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का भी इस कार्य में उल्लेखनीय योगदान रहा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ समाज के जरूरतमंद और कमजोर वर्गों की सहायता करना भी पुलिस की सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है।

प्रतापनगर में युवक की मौत से मचा हड़कंप, पिटाई का आरोप

पथ प्रवाह, टिहरी गढ़वाल। टिहरी जनपद के प्रतापनगर ब्लॉक के देवल गांव निवासी 18 वर्षीय युवक की कथित पिटाई के बाद मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल है। परिजनों के अनुसार युवक की एक नाबालिग लड़की से दोस्ती थी। इसी बात को लेकर लड़की के परिजनों ने युवक पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वहीं, उसका एक साथी भी इस हमले में घायल हुआ है, जिसका इलाज जारी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। भीम आर्मी ने मामले में सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। मामले की जांच की जा रही है।

पुणे के तालेगांव एमआईडीसी में गैस रिसाव से बड़ा हादसा, दो कर्मचारियों की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के तालेगांव एमआईडीसी स्थित एक औद्योगिक इकाई में मंगलवार को गैस रिसाव की घटना में दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना शेफलर इंडिया के प्लांट में नियमित रखरखाव (मेंटेनेंस) कार्य के दौरान हुई। इसी दौरान कार्बन डाइऑक्साइड गैस का रिसाव हो गया, जिसकी चपेट में कई कर्मचारी आ गए। गैस का प्रभाव इतना तेज था कि दो कर्मचारियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन अन्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और औद्योगिक सुरक्षा से जुड़ी टीमें मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि रखरखाव कार्य के दौरान सुरक्षा संबंधी प्रक्रिया में किसी स्तर पर चूक हुई हो सकती है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। इस हादसे ने एक बार फिर औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों और गैस हैंडलिंग प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और घायलों के बेहतर उपचार की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया 'मेरी योजना' पुस्तक ऑडियो क्लिप का अनावरण

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा तैयार की गई 'मेरी योजना' पुस्तक के ऑडियो क्लिप का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुस्तक में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं को एक ही स्थान पर संकलित किया गया है, जिससे आम नागरिकों को योजनाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तक में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं के साथ-साथ स्वरोजगार, कौशल विकास, शिक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए विभाग लगातार नवाचार करें तथा शासनादेशों को भी आमजन की समझ के अनुरूप सरल भाषा में जारी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे अधिक समय तक कार्यकाल वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार लगातार नए कानूनों और नीतियों से देश की तरक्की को मजबूत आधार प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड को विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है तथा केंद्र सरकार राज्य के विकास कार्यों के लिए निरंतर वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। इसके परिणामस्वरूप सड़क, रेल, हवाई संपर्क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक भी विकास की पहुंच सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की कार्यशैली के कारण प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है और प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य सरकार मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, महक क्रांति योजना, एरोमा वैली, मिशन एप्पल तथा अन्य रोजगारपरक योजनाओं के माध्यम से युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार एवं आजीविका के नए अवसर सृजित कर रही है।

इस मौके पर सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन दीपक कुमार ने कहा कि ये ऑडियो संस्करण, आकाशवाणी सहित अन्य रेडियो स्टेशन पर प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले विभाग मेरी योजना पुस्तक के चार संस्करण प्रकाशित कर चुका है। साथ ही इसका डिजिटल संस्करण भी जारी किया जा चुका है। इस अवसर पर महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी भी मौजूद थे।

एससीईआरटी प्रवक्ता गंगा घुघत्याल ने शिक्षा शास्त्र में प्राप्त की पीएचडी, बालिका शिक्षा पर महत्वपूर्ण शोध

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

उत्तराखंड राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में कार्यरत प्रवक्ता गंगा घुघत्याल ने शिक्षा शास्त्र विषय में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

उन्होंने अपना शोध कार्य देहरादून स्थित श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में प्रोफेसर डॉ. मालविका कांडपाल के निर्देशन में पूर्ण किया। करीब साढ़े चार वर्षों के सतत परिश्रम, समर्पण और अनुसंधान के बाद उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की।

गंगा घुघत्याल का शोध विषय 'उत्तराखंड राज्य में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों एवं आश्रम पद्धति विद्यालयों में नामांकित बालिकाओं के समायोजन एवं मानसिक स्वास्थ्य का संस्थागत वातावरण के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन' रहा। उनका शोध बालिका शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और विद्यालयी परिवेश के बीच संबंधों को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। साथ ही, यह शिक्षा नीति निर्माताओं के लिए भी उपयोगी सुझाव प्रस्तुत करता है।

शैक्षणिक रूप से भी गंगा घुघत्याल का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने शिक्षा शास्त्र विषय में दो बार यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसके अलावा वे एमएससी (गणित) और एमए (अर्थशास्त्र) की उपाधि भी प्राप्त कर चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग एवं स्ष्टश्वत्रञ्ज के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पुलिस महानिरीक्षक निवेदिता कुकरेती ने संभाली कुमायूँ परिक्षेत्र की कमान, कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

कैंची धाम मेला एवं पर्यटन सीजन की तैयारियों का स्वयं किया स्थलीय निरीक्षण

पथ प्रवाह, नैनीताल।

भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी निवेदिता कुकरेती ने मंगलवार को पुलिस महानिरीक्षक, कुमायूँ परिक्षेत्र, नैनीताल के पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने परिक्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा परिक्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी ली। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस महानिरीक्षक निवेदिता कुकरेती ने कहा कि कुमायूँ परिक्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, साइबर अपराधों की रोकथाम, मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाना, जनशिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा पुलिस और जनता के मध्य विश्वास एवं संवाद को और अधिक मजबूत बनाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

कैंची धाम एवं पर्यटन सीजन रहेगा विशेष फोकस

पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि आगामी कैंची धाम स्थापना दिवस, पर्यटन सीजन तथा बढ़ती पर्यटक गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए सुरक्षित, सुगम एवं अवरोधरहित यातायात व्यवस्था

सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहेगा। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, शटल सेवाओं, डायवर्जन प्लान तथा भीड़ नियंत्रण के लिए सभी संबंधित जनपदों में व्यापक एवं प्रभावी कार्ययोजना लागू की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को निर्बाध यात्रा एवं दर्शन का अनुभव प्राप्त हो सके।

आधुनिक पुलिसिंग एवं पुलिस कल्याण पर विशेष जोर

उन्होंने कहा कि पुलिस बल के आधुनिकीकरण, तकनीकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग, स्मार्ट पुलिसिंग, अपराध विश्लेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने तथा पुलिस कर्मियों के कल्याण एवं क्षमता विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही अपराध एवं यातायात प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों के प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान हेतु समन्वित रणनीति अपनाई जाएगी।

मीडिया को बताया जनजागरूकता का महत्वपूर्ण साझेदार

पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस महानिरीक्षक महोदया ने मीडिया प्रतिनिधियों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में शांति, सुरक्षा एवं जनजागरूकता के प्रसार में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिस एवं मीडिया के बीच बेहतर समन्वय से जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

कार्यभार ग्रहण करते ही पहुँचीं कैंची धाम, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पत्रकार वार्ता के उपरांत पुलिस महानिरीक्षक निवेदिता कुकरेती कैंची धाम पहुँचीं और आगामी कैंची धाम मेले एवं पर्यटन सीजन की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थलों, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधों, आपातकालीन व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तृत जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मंदिर समिति के साथ समन्वय पर दिया विशेष बल

निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक महोदया ने मंदिर समिति के पदाधिकारियों से भी अपील की कि आगामी आयोजन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने हेतु पुलिस प्रशासन एवं मंदिर समिति के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं निर्बाध दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वित रूप से कार्य किया जाएगा।

एक नजर

परिवहन और पुलिस की संयुक्त चेकिंग अभियान में 15 बसों का चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा परिवहन नियमों का प्रभावी अनुपालन कराने हेतु परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त प्रवर्तन अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), हरिद्वार नेहा झा के नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण में परिवहन विभाग की इंटरसेप्टर टीम तथा यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान इंटरसेप्टर हरिद्वार की टीम, जिसका नेतृत्व वरुणा सैनी द्वारा किया गया, तथा यातायात पुलिस की टीम, जिसका नेतृत्व यातायात उपनिरीक्षक (टीएसआई)मोहित रौथाण द्वारा किया गया, ने जनपद के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों पर यात्री बसों एवं अन्य परिवहन वाहनों की सघन जांच की।

चेकिंग के दौरान वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, कर अदायगी, चालक अनुज्ञप्ति, यात्री सुरक्षा मानकों, आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर सहित अन्य वैधानिक दस्तावेजों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान विभिन्न परिवहन नियमों एवं सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पाए जाने पर कुल 15 बसों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई।

इसके अतिरिक्त तीन बसों में गंभीर तकनीकी एवं सुरक्षा संबंधी कमियां पाए जाने तथा उनकी दशा निर्धारित फिटनेस मानकों के अनुरूप न पाए जाने के कारण उनके फिटनेस प्रमाण-पत्र निरस्तीकरण हेतु संस्तुति की गई। संबंधित मामलों में मोटर वाहन अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा ने बताया कि सड़क सुरक्षा जनहित से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है तथा यात्री वाहनों द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने वाहन स्वामियों एवं संचालकों से अपने वाहनों के समस्त अभिलेख अद्यतन रखने तथा वाहनों को निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी हरिद्वार के निर्देशानुसार जनपद में ऐसे संयुक्त प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेंगे तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा तथा सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भविष्य में भी संयुक्त चेकिंग अभियान नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे।

लक्सर और खानपुर में जल निकासी के लिए पम्पसेट तैयार, भगत सिंह चौक के लिए ड्रेनेज योजना तैयार: जिलाधिकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में मानसून सीजन की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून प्रारम्भ होने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं।

जनपद हरिद्वार की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि जनपद लक्सर एवं खानपुर क्षेत्र के कुछ गांव में मानसून के दौरान अत्यधिक वर्षा से गंगा का जलस्तर बढ़ जाने के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिनका चिन्हीकरण किया गया है तथा जल निकासी के उचित प्रबन्धन हेतु पंप सेट तैयार किए गए है।

उन्होंने यह अवगत कराया है कि मानसून के दौरान जो क्षेत्र संवेदनशील है जिसमें मनसा देवी की पहाड़ियों पर भूस्खलन की स्थिति एवं भगत सिंह एवं रानीपुर मोड़ पर जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है।उन्होंने कहा कि मनसा देवी हिल बाईपास ट्रीटमेंट के लिए स्वीकृति प्राप्त हो गई है तथा भगत सिंह चौक एवं रानीपुर मोड़ के जल निकासी के लिए ड्रेनेज प्लान तैयार कर लिया गया है।उन्होंने कहा कि जनपद में किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति न हो इसके लिए सभी नालों एवं कलमट की सफाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान आपदा जैसी स्थिति से निपटने के लिए सभी अधिकारियों को अपनी अपनी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए गए है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र,मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह,एसपी ट्रैफिक निशा यादव,अधीक्षण अभियंता लोनिवि डीपी सिंह,अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता,यूपीसीएल दीपक सैनी ,जलसंस्थान विपिन चौहान,जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी मीरा रावत, जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह,मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ एस सी जोशी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा,मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

69 साल बाद मिला इंसाफ: 1956 में चुनाव के लिए ली गई दुकान लौटाने का बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में लगभग 69 साल पुराने संपत्ति विवाद का निपटारा करते हुए एक दुकान का कब्जा मूल किरायेदार के परिवार को लौटाने का आदेश दिया है। मामला वर्ष 1956 का है, जब एक मकान मालिक और राजनीतिक नेता ने विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव कार्यालय चलाने के लिए किरायेदार से अस्थायी रूप से दुकान मांगी थी। बदले में आश्वासन दिया गया था कि चुनाव खत्म होने के बाद दुकान वापस कर दी जाएगी।

अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, किरायेदार ने भरोसे के आधार पर दुकान कुछ महीनों के लिए सौंप दी थी, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद भी उसे वापस नहीं किया गया। इसके बाद शुरू हुआ कानूनी संघर्ष दशकों तक चलता रहा। इस दौरान मूल किरायेदार का निधन हो गया और उनके उत्तराधिकारियों ने न्याय की लड़ाई जारी रखी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान 1956 के पत्राचार और अन्य दस्तावेजों को महत्वपूर्ण साक्ष्य माना। अदालत ने पाया कि दुकान केवल अस्थायी उपयोग के लिए दी गई थी और उसे लौटाने का स्पष्ट वादा किया गया था। इसी आधार पर अदालत ने किरायेदार के परिवार के पक्ष में फैसला सुनाया। करीब सात दशक बाद आए इस फैसले को न्यायपालिका द्वारा संपत्ति अधिकारों और किरायेदारों के अधिकारों की रक्षा के एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। यह मामला इस बात का भी प्रतीक है कि न्याय मिलने में भले ही लंबा समय लगे, लेकिन अदालतें दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर अधिकारों की बहाली सुनिश्चित कर सकती हैं।

एक नजर

घर-घर मतदाता सत्यापन अभियान एवं गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की दी गई जानकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित के निर्देशन में संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, रूड़की दीपक रामचंद्र शेट की अध्यक्षता में भाजपा, कांग्रेस, बसपा एवं उत्तराखंड क्रांति दल के BLA-1 प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रूड़की, पिरान कलियर, झबरेड़ा एवं मंगलौर विधानसभा क्षेत्रों के समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (AERO) उपस्थित रहे। इस दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) -2026 के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं घर-घर मतदाता सत्यापन अभियान की विस्तृत जानकारी साझा की गई। संयुक्त मजिस्ट्रेट द्वारा Enumeration Form (गणना प्रपत्र) का प्रदर्शन करते हुए उसे सही ढंग से भरने की प्रक्रिया समझाई गई तथा उपस्थित BLA प्रतिनिधियों की शंकाओं का समाधान किया गया। बैठक के दौरान झबरेड़ा विधानसभा क्षेत्र के BLA प्रतिनिधियों द्वारा प्री-SIR गतिविधियों में चिन्हित अनमैप्ड मतदाताओं की संख्या उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, जिस पर संयुक्त मजिस्ट्रेट ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। अंत में सभी राजनीतिक दलों से अपील की गई कि वे निर्वाचन नामावली को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सके।

जनपद हरिद्वार में राशन कार्डों का विशेष सत्यापन अभियान, 462 कार्ड निरस्त

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में राशन कार्डों का विशेष सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में अपात्र लोगों के राशन कार्ड निरस्त किये जा रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया कि उत्तराखण्ड राज्य में उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे कुछ जनपदों में ऐसे परिवार निवासरत पाए गए हैं, जो उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड दोनों राज्यों से राशन कार्ड के माध्यम से गैस कनेक्शन एवं आयुष्मान जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का अनुचित लाभ प्राप्त कर रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया है कि उक्त के दृष्टिगत शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में टीमों का गठन करते हुए, जनपद में प्रचलित राशन कार्डों का विशेष सत्यापन अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 28.04.2026 से 08.06.2026 तक कुल 20,861 राशन कार्डों का सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान आर्थिक रूप से सक्षम, अपात्र, मृतक एवं बाहर निवासरत व्यक्तियों के मामलों में कार्रवाई करते हुए 462 राशन कार्ड एवं 2202 यूनिट निरस्त की गई हैं। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार जनपद में यह सत्यापन अभियान निरंतर जारी रहेगा।

गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की प्रांतीय तदर्थ कार्यकारिणी का गठन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की प्रांतीय तदर्थ कार्यकारिणी का गठन यूनियन भवन में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से कर लिया गया। बैठक की अध्यक्षता उत्तराखण्ड शासन के सेवानिवृत्त उपसचिव ओ.पी. तिवारी ने की, जबकि संचालन जे.पी. चाहर ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से पारित प्रस्तावों के तहत देहरादून के चौ. ओमबीर सिंह को संगठन का अध्यक्ष चुना गया। हरिद्वार के बी.पी. चौहान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा जे.पी. चाहर को महामंत्री का दायित्व सौंपा गया। विजय कुमार गुप्ता को संरक्षक बनाया गया। उपाध्यक्ष पद पर पवन कुमारी, बी.पी. सिंह सैनी, ऋषिराम पैन्यूली और ठाकुर शेर सिंह का चयन किया गया। रमेश चंद्र पंत को कोषाध्यक्ष, ज्ञान प्रकाश मखीजा को संप्रेक्षक तथा अधिवक्ता विनोद शर्मा और सुखवंश सिंह को विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया। साथ ही संगठन की विभिन्न शाखाओं के अध्यक्ष एवं महामंत्री पदेन सदस्य होंगे।

बैठक में संगठन के संविधान एवं बायलॉज में आवश्यक संशोधनों के लिए एक विशेष समिति के गठन का भी निर्णय लिया गया। इस समिति का अध्यक्ष आर.के. जोशी को बनाया गया है, जबकि राजवीर सिंह मालिक सदस्य सचिव होंगे। समिति में विजय तिवारी, ए.के. नय्यर और दिनेश जोशी को सदस्य नामित किया गया है। समिति संगठन की नियमावली की समीक्षा कर आवश्यक सुधारों संबंधी अपनी संस्तुतियां प्रस्तुत करेगी।

इस अवसर पर रामदरीख, संतोष माटा, पवन कुमारी, अंजुम, अतर सिंह, उमा शंकर पाण्डेय, राजेश कुमार और वी.के. गुप्ता सहित कई सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा का समापन संगठन की मजबूती और पेंशनर्स के हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

लंबित मांगों को लेकर जल संस्थान कर्मचारियों ने दिया धरना

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संगठन की शाखा से जुड़े कर्मचारियों ने लंबित मांगों पर सुनवाई न होने पर मंगलवार को अधिशासी अभियंता कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने विभागीय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मांगों का शीघ्र समाधान करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यालय परिसर में धरने पर बैठे रहे।

धरने की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत व संचालन शाखा सचिव अमित कुमार ने किया। संगठन के गढ़वाल मंडल अध्यक्ष प्रवीण सैनी ने कहा कि पूर्व में सौंपे गए मांग पत्र को 15 दिन से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन विभाग की ओर से कोई संतोषजनक जवाब या कार्रवाई नहीं की गई। इससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। उनकी प्रमुख मांगों में राजस्व वसूली कार्य करने वाले कर्मचारियों के अतिकाल भुगतान के लिए 40 घंटे की बाध्यता समाप्त कर लंबित भुगतान किया जाए। संविदा कर्मचारी धनीराम का विनियमितीकरण शीघ्र किया जाए। कर्मचारियों को वर्दी मद का भुगतान किया जाए। वर्ष 2025-26 का मानदेय जल्द जारी किया जाए। 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को एसीपी का लाभ और एरियर भुगतान दिया जाए। शाखा में पंजीकृत ठेकेदारों की सूची संगठन को उपलब्ध कराई जाए। अर्धकुंभ मेला-2027 के प्रस्तावों में नलकूपों की मरम्मत को शामिल किया जाए। देवपुरा स्थित संगठन भवन की मरम्मत कराई जाए। रघुवीर सिंह रावत ने कहा कि कर्मचारियों की जायज और मूलभूत समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। यदि जल्द ही मांगों पर ठोस और सम्मानजनक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन आंदोलन को और उग्र करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी विभागीय प्रशासन की होगी। प्रदर्शन में संजय कुमार शर्मा, अमित गोयल, श्यामा प्रसाद, दीवाकर, रमेश कुमार, स्वदेश कुमार, अंकित कुमार, सुशील पटवाल, बाकर मोहम्मद रजा और संजय सिंह समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

बहादराबाद में विवादित भूमि को लेकर दो पक्षों में तनाव, कई थानों की पुलिस पहुंची

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

बहादराबाद क्षेत्र में विवादित भूमि को लेकर दो पक्षों के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। जमीन पर कब्जे और स्वामित्व को लेकर चल रहे विवाद के चलते दोनों पक्ष बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, पिछले दो दिनों से शनि मंदिर के पास स्थित एक भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि एक पक्ष ने भूमि पर अपना दावा जताते हुए वहां रॉयल प्रॉपर्टी डेवलपर्स के बैनर लगाकर कब्जे का प्रयास किया। इसकी सूचना मिलने पर दूसरे पक्ष ने पुलिस और प्रशासन को शिकायत दी, जिसके बाद मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पहुंच गई।

स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए दोनों पक्षों को विवादित स्थल से हटाया और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम कराई। पुलिस ने कब्जे के लिए पहुंचे लोगों को वहां से हटाकर किसी भी प्रकार के टकराव की संभावना को समाप्त किया। विवाद को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। क्षेत्र में कई थानों की पुलिस तैनात की गई है और विवादित भूमि के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस लगातार निगरानी रख रही है तथा किसी भी पक्ष को बिना अनुमति विवादित स्थल पर प्रवेश करने से रोका गया है। मौके पर पुलिस द्वारा लगातार मुनादी कर लोगों को चेतावनी दी गयी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि एसडीएम के निर्देशों के अनुसार दोनों पक्षों को विवादित भूमि से दूर रहने और कानून अपने हाथ में न लेने की हिदायत दी गई है। भूमि पर कब्जे और स्वामित्व को लेकर दोनों पक्ष अपने-अपने दावे कर रहे हैं। मामले से जुड़े विवाद विभिन्न न्यायालयों में भी विचाराधीन हैं। दोनों पक्षों को भूमि संबंधी दस्तावेजों के साथ प्रशासन के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन का कहना है कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, लेकिन शांति भंग करने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एहतियातन रातभर भी मौके पर पुलिस बल तैनात रखा गया और हालात पर लगातार नजर बनाए रखी गई।

सिडकुल पुलिस का स्पा सेंटर पर छापा, अश्लील हरकतों पर शिकंजा, 5 महिलाएं हिरासत में

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

थाना सिडकुल क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय गतिविधियों की लगातार मिल रही शिकायतों पर हरिद्वार पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 05 महिलाओं को हिरासत में लिया है। पुलिस ने पेंटागन मॉल स्थित एक स्पा सेंटर पर भी छापेमारी कर जांच की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, राठौर प्लाजा होटल के सामने कुछ महिलाएं राहगीरों को देखकर अश्लील हरकतें कर रही थीं, जिससे स्थानीय लोगों में रोष फैल गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष अजय शाह के निर्देशन में टीम गठित की गई। महिला उपनिरीक्षक मनीषा नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सत्यापन के दौरान आरोपित महिलाओं को आपत्तिजनक गतिविधियां करते हुए पाया। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों की मदद से सभी को मौके से हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ मु0अ0सं0-228/2026 के तहत धारा 296 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, पुलिस ने सिडकुल क्षेत्र के पेंटागन मॉल स्थित एक स्पा सेंटर पर भी छापा मारकर संदिग्ध गतिविधियों की जांच की। पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक शालीनता और कानून व्यवस्था बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस टीम में शामिल अधिकारीः अजय शाह, थानाध्यक्ष सिडकुल, प्रवीण बिष्ट, वरिष्ठ उपनिरीक्षक, मनीषा नेगी, महिला उपनिरीक्षक अन्य पुलिस कर्मी।

एक नजर

पनियाला में सुनी उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल ने जनसमस्याएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार। समाज कल्याण योजनाएं एवं अनुश्रवण समिति, उत्तराखण्ड सरकार के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) एवं पूर्व विधायक देशराज कर्णवाल ने विधानसभा झबरेड़ा के ग्राम पनियाला में जनसंवाद कार्यक्रम किया। मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित इस एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के तहत उपाध्यक्ष पनियाला पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यक्रम में स्थानीय जनता, जनप्रतिनिधियों और लाभार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर समाज कल्याण बहु-उद्देशीय शिविर के इस कार्यक्रम मे 17 समस्याएं आई। जिनमे से 6 समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया। श्री कर्णवाल ने पेंशन, छात्रवृत्ति, विवाह अनुदान, एससीपी योजनाओं एवं राशन कार्ड से जुड़ी दर्जनों शिकायतें मौके पर सुनीं। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी हरिद्वार एवं खंड विकास अधिकारी रुड़की को निर्देशित किया कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर समाज कल्याण बहु-उद्देशीय शिविर के तहत प्राप्त हर आवेदन का 15 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करें।

चारधाम यात्रा के लिए 4740 यात्रियों ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में मंगलवार को चारधाम यात्रा के लिए 4740 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। यमुनोत्री धाम के लिए 856, गंगोत्री धाम के लिए 871, केदारनाथ धाम के लिए 1465, बद्रीनाथ धाम के लिए 1547, हेमकुंड साहिब के लिए 01 यात्री ने अपना पंजीकरण कराया। इस तरह 4740 यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 4 लाख 7 हजार 5 सौ 23 यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

एससीईआरटी प्रवक्ता गंगा घुघत्याल ने शिक्षा शास्त्र में प्राप्त की पीएचडी, बालिका शिक्षा पर महत्वपूर्ण शोध

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में कार्यरत प्रवक्ता गंगा घुघत्याल ने शिक्षा शास्त्र विषय में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उन्होंने अपना शोध कार्य देहरादून स्थित श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में प्रोफेसर डॉ. मालविका कांडपाल के निर्देशन में पूर्ण किया। करीब साढ़े चार वर्षों के सतत परिश्रम, समर्पण और अनुसंधान के बाद उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की।

गंगा घुघत्याल का शोध विषय 'उत्तराखंड राज्य में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों एवं आश्रम पद्धति विद्यालयों में नामांकित बालिकाओं के समायोजन एवं मानसिक स्वास्थ्य का संस्थागत वातावरण के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन' रहा। उनका शोध बालिका शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और विद्यालयी परिवेश के बीच संबंधों को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। साथ ही, यह शिक्षा नीति निर्माताओं के लिए भी उपयोगी सुझाव प्रस्तुत करता है। शैक्षणिक रूप से भी गंगा घुघत्याल का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने शिक्षा शास्त्र विषय में दो बार यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसके अलावा वे एमएससी (गणित) और एमए (अर्थशास्त्र) की उपाधि भी प्राप्त कर चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग एवं एसईआरटी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

होमगार्ड स्वयंसेवकों के 30 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। जनपद में पुरुष होमगार्ड स्वयंसेवकों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला कमांडेंट होमगार्ड्स नितिन काकेरवाल ने बताया कि होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय उत्तराखंड के निर्देशों के तहत 30 जून 2026 तक रिक्त होने वाले 30 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 10 जून से 30 जून तक किसी भी कार्य दिवस में जिला कमांडेंट होमगार्ड्स कार्यालय, पूर्वी पोखरखाली, जेल रोड, अल्मोड़ा से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र विभाग के फेसबुक पेज 'होमगार्ड्स अल्मोड़ा' से भी डाउनलोड किया जा सकता है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक के माध्यम से कार्यालय में जमा किए जा सकेंगे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 की रात्रि 11:59 बजे निर्धारित की गई है। अपूर्ण, त्रुटिपूर्ण, स्वप्रमाणित न होने वाले अथवा निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। व्यक्तिगत रूप से आवेदन जमा करने वाले अभ्यर्थियों को पावती दी जाएगी, जिसे शारीरिक नाप-जोख एवं दक्षता परीक्षा के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिला कमांडेंट ने बताया कि भर्ती के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड अथवा संस्थान से हाईस्कूल उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम लंबाई 165 सेंटीमीटर, अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 157.5 सेंटीमीटर तथा पर्वतीय क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए 160 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से कम और 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अन्य जानकारियां विभागीय फेसबुक पेज और जिला कमांडेंट कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के राज्य स्तरीय विजेताओं को किया सम्मानित

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत राज्य स्तरीय उद्यमशाला महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करने वाले उद्यमियों को विकास भवन सभागार में सम्मानित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। देहरादून में 28 मार्च को आयोजित राज्य स्तरीय उद्यमशाला महोत्सव में प्रदेशभर के चयनित प्रतिभागियों ने अपने नवाचार आधारित व्यावसायिक मॉडल प्रस्तुत किए थे। प्रतियोगिता में अल्मोड़ा के प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। ख्याति को उनके उद्यम 'तविश सिल्क अपैरल एंटरप्राइज' के लिए प्रदेश का सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड चैंपियन' पुरस्कार मिला। वहीं अर्जुन मेहरा को 'फाइबर कटलरी एवं हेम्प कुकीज़' उद्यम के लिए 'मोस्ट इनोवेटिव कॉन्सेप्ट' श्रेणी में सम्मानित किया गया। अनिरुद्ध बिस्वास को उनके उद्यम 'नयालप होमस्टे' के लिए 'मार्केट रेडीनेस' श्रेणी का पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों को स्वरोजगार तथा नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रभावी मंच उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा के उद्यमियों की उपलब्धियां अन्य युवाओं को भी उद्यमिता की ओर प्रेरित करेंगी। इस अवसर पर परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के.एन. तिवारी, मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लक्सर बाजार में फायरिंग की घटना से मचा हड़कंप

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

लक्सर बाजार चौकी क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग स्थानों पर फायरिंग की घटनाओं की सूचना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पुलिस गश्त और निगरानी व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार पहली घटना सोमवार देर रात सोसाइटी रोड क्षेत्र में सामने आई, जहां फायरिंग की सूचना से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वहीं दूसरी घटना मंगलवार दोपहर बाजार चौकी क्षेत्र के लक्सरी गांव में हुई। आरोप है कि कुछ दबंग युवक एक परिवार के घर पहुंचे और पहले से दर्ज शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने लगे। विरोध करने पर उन्होंने अभद्रता की, जान से मारने की धमकी दी और घर के बाहर कई राउंड फायरिंग कर दहशत फैलाने का प्रयास किया। पीड़ित जावेद ने बताया कि फायरिंग होते ही परिवार के सदस्य घर के भीतर छिप गए।

घटना के बाद पूरे गांव में भय और तनाव का माहौल बन गया। परिवार का आरोप है कि उन्होंने 29 मई को भी संबंधित आरोपितों के खिलाफ पुलिस को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोपितों के हौसले बढ़ गए। लगातार दो दिनों में फायरिंग की घटनाओं ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस शिकायतों पर समय से कार्रवाई करती और क्षेत्र में सख्त निगरानी रखती, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता था। इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि फायरिंग की घटना की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चौकी प्रभारी को आरोपितों की गिरफ्तारी के निर्देश दे दिए गए हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लक्सर में 35 से अधिक अवैध अतिक्रमण हटाए, पुलिस एक्ट में 13 का किया चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सरकारी भूमि, सड़क, नालियों एवं फुटपाथ पर किसी भी दशा में कोई अतिक्रमण न हो इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिए गए है, मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में मंगलवार को भी अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहा।जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी सरकारी भूमि, सड़क, फुटपाथ एवं नालियों के ऊपर अतिक्रमण न हो। उप जिलाधिकारी लक्सर अनिल कुमार शुक्ला ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में तहसील लक्सर क्षेत्रांतर्गत देर शाम को लक्सर तहसील प्रशासन एवं पुलिस बल के साथ गोवर्धनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया,इस दौरान 35 से अधिक अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया तथा 81 पुलिस एक्ट में 13 लोगों का किया गया चालान। जिला प्रशासन एवं नगर पंचायत की ओर से सभी संबंधित व्यक्तियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि भविष्य में नाली के ऊपर अथवा नाली की सीमा से बाहर किसी भी प्रकार का सामान, निर्माण सामग्री अथवा व्यावसायिक सामग्री रखी जाती है तो उसे तत्काल जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। साथ ही बार-बार अतिक्रमण किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तहरीर देकर विधिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान तहसील प्रशासन,नगर पंचायत,पुलिस सहित समंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

लक्सर में 35 से अधिक अवैध अतिक्रमण हटाए, पुलिस एक्ट में 13 का किया चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सरकारी भूमि, सड़क, नालियों एवं फुटपाथ पर किसी भी दशा में कोई अतिक्रमण न हो इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिए गए है, मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में मंगलवार को भी अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहा।जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी सरकारी भूमि, सड़क, फुटपाथ एवं नालियों के ऊपर अतिक्रमण न हो। उप जिलाधिकारी लक्सर अनिल कुमार शुक्ला ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में तहसील लक्सर क्षेत्रांतर्गत देर शाम को लक्सर तहसील प्रशासन एवं पुलिस बल के साथ गोवर्धनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया,इस दौरान 35 से अधिक अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया तथा 81 पुलिस एक्ट में 13 लोगों का किया गया चालान।

जिला प्रशासन एवं नगर पंचायत की ओर से सभी संबंधित व्यक्तियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि भविष्य में नाली के ऊपर अथवा नाली की सीमा से बाहर किसी भी प्रकार का

सामान, निर्माण सामग्री अथवा व्यावसायिक सामग्री रखी जाती है तो उसे तत्कुलाधिपति से मिले कुलपति, दीक्षांत समारोह की तैयारियों की दी जानकारी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने विश्वविद्यालय के आगामी दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलाधिपति लैफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) से लोकभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने समारोह के सफल आयोजन हेतु गठित विभिन्न समितियों की तैयारियों से कुलाधिपति को अवगत कराया।

भेंट के दौरान कुलपति प्रो. बिष्ट ने कुलाधिपति को दीक्षांत समारोह का औपचारिक आमंत्रण पत्र भी सौंपा। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह आगामी 18 जून को आयोजित किया जाएगा।

समारोह को भव्य एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने के उद्देश्य से कुलपति द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने समितियों को निर्देश दिए हैं कि अल्मोड़ा की समृद्ध संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व, लोककला, पर्यावरण एवं पारंपरिक शिल्प को समारोह के प्रत्येक पहलू में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।काल जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। साथ ही बार-बार अतिक्रमण किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तहरीर देकर विधिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान तहसील प्रशासन,नगर पंचायत,पुलिस सहित समंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का आकलन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से संज्ञान लेकर उसका त्वरित समाधान करने तथा शिकायतकर्ताओं से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर उनकी समस्या की वास्तविक स्थिति जानने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता न बरती जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि जनपद में सर्वाधिक शिकायतें पेयजल विभाग, जल संस्थान, यूपीसीएल और ग्राम्य विकास विभाग से संबंधित प्राप्त हो रही हैं। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण तथा समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com